SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
(SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS)

संवाद-सेतु

'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते'

'ज्ञान से बढ़कर कुछ भी उदात्त और शुद्ध नहीं है।'

ज्ञान प्राप्ति के सिवा हमारा और कोई उद्देश्य नहीं होना चाहिए। इसके लिए हम सबको सदैव प्रयासरत एवं तत्पर रहना चाहिए। नवपल्लवों के ज्ञानार्जन के दिशाओं में उत्पन्न अवरोधों को हटाकर ही उज्ज्वल भविष्य निर्माण की दिशा में हमारा अथक प्रयास सफलीभूत होगा। सुदृढ़ समाज के निर्माण में हम एकमात्र निहित उद्देश्य से अग्रसर हों, दृढ़संकल्पित होकर ही निहितार्थ उद्देश्य की पूर्ति की जा सकती है।

श्री बी. के. दालान
सेक्रेटरी

'शिक्षा का मूल उद्देश्य रचनात्मकता का विकास होना चाहिए'

शिक्षा की वास्तविक उपयोगिता जीविकोपार्जन न होकर सर्जनात्मकता के लक्ष्य में सफल होना है।

इस उद्देश्य के द्वारा यह बात निश्चित हो गई है कि शिक्षा बच्चों को रचनाधर्मी बनाती है, उन्हें हम केवल उपयुक्त वातावरण एवं पथ–प्रदर्शन प्रदान कर उनके लक्ष्य तक पहुँचा सकते हैं। शिक्षा का उद्देश्य यदि देखा जाए तो यह भी है कि छात्रों में ऐसी क्षमता उत्पन्न करें, जिससे वे अपने आपको सभी परिस्थितियों एवं वातावरण में स्वयं को अनुकूल बना लें। विगत वर्षों में हमारा प्रयास भी रहा है कि शिक्षा सिर्फ पारंपरिक शिक्षा न होकर हम वैश्विक जगत में अपने आपको सोने जैसा तपाकर उनमें इतनी चमक पैदा करें कि दुनिया की नजरें हमारी ओर हों। चाहे वह खेल के क्षेत्र में हो, कला, संगीत या विषयवार विशेषज्ञता में हो। हम हर क्षेत्र में बच्चों को उनकी मानसिक, शारीरिक क्षमताओं के अनुसार उन्हें प्रेषित करें, यही हमारा अन्तिम उद्देश्य है, जिसके लिए हम सदैव तत्पर हैं और रहेंगे।

श्री प्रदीप वर्मा
कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख

'नैतिकता शिक्षा का प्रथम चरण है।'

बालक अबोध होते हैं। वे बाल्यावस्था में जैसा सीखते हैं भविष्य में उनके व्यक्तित्व का वैसा ही निर्माण होता है। समाज में मनुष्य दो चीजों से पहचाना जाता है। पहला है ज्ञान और दूसरा है उसका नैतिक व्यवहार। सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब आचरण में नैतिकता का समावेश हो। विद्यालय में हम छात्रों को नैतिकता की शिक्षा देते ही हैं किन्तु यदि परिवार में भी छोटी–छोटी बातों को संस्कार–युक्त बनाया जाए, तो हम सब मिलजुल कर विद्यार्थी के व्यक्तित्व का ऐसा निर्माण कर पाएँगें जो भविष्य में अपने परिवार, समाज और देश के लिए एक आदर्श नागरिक होंगे। वास्तव में यही शिक्षा जीवन में स्थायी और सुखद प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है क्योंकि एक–दूसरे के मध्य आस्था, सहयोग तथा सम्मान की स्थापना ही नैतिकता है।

सही शिक्षा वही है जो विद्यार्थी में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को विकसित कर सके। वास्तव में यही शिक्षा जीवन में स्थायी और सुखद प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके लिए संवेदनशील होना होगा। नैतिकता वह गुण है जो मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाती है। अगर ज्ञान सफलता की उड़ान है तो नैतिकता उसकी सीढ़ी। एक के अभाव में दूसरे का पतन निश्चित है। नैतिकता के कारण ही विश्वास में दृढ़ता और समझ में प्रखरता आती है।

श्रीमती परमजीत कौर
प्रधानाचार्या

अन्दर के पन्नों पर...

- प्रतियोगिताएँ
- सांस्कृतिक गतिविधियाँ
- खेल जगत
- विविध
- सम्मान
- चित्रपट
- मीडिया

जूनियर वर्ग में हिन्दी और अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 04.07.2017 को विद्यालय में कविता पाठ प्रतियोगिता हुई। इसमें KG I-Std. I के लिए हिन्दी कविता पाठ एवं Std. II के लिए अंग्रेजी कविता पाठ हुआ। KG I-Std. I के लिए कक्षा स्तर एवं Std. II के लिए हाउस स्तर पर यह प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। कविता में पर्यावरण, देश भक्ति, स्वास्थ्य आदि विषय पर सुन्दर और आकर्षक प्रॉप के माध्यम से बच्चों ने कविता पाठ की। उनके शब्दों के उच्चारण स्पष्ट और हाव–भाव देखने लायक थे।

कक्षा II के प्रत्येक सेक्शन से 4–4 प्रतिभागियों को चयनित किया गया था। अंतिम चरण में ऋग्वेद की सौम्या पटेल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। सामवेद के न्यासा भवानी तथा यजुर्वेद की प्रत्युषा प्रेष्टी लकड़ा को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। तृतीय स्थान पर अथर्ववेद के रेयांश राणा रहे।

कक्षा I में प्रथम स्थान I C, द्वितीय स्थान I A एवं तृतीय स्थान I B को प्राप्त हुआ। कक्षा KG I में प्रथम स्थान KG I A, द्वितीय स्थान KG I B, एवं तृतीय स्थान KG I C को प्राप्त हुआ। कक्षा KG II में प्रथम स्थान KG II C एवं KG II D, द्वितीय स्थान KG II A एवं तृतीय स्थान KG II F को प्राप्त हुआ।

अन्तर्विद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय प्रथम रनर–अप

18.7.2017 को स्कूल के छात्र श्रेयांश दूबे ने अन्तर्विद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम रनर–अप रहे। श्रद्धानंद बाल मंदिर सीनियर सेकेण्डरी द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में शहर के छह विद्यालयों ने भाग लिया। 'नोटबंदी' विषय पर विभिन्न छात्रों ने पक्ष–विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। श्रेयांश दूबे ने 'नोटबंदी' विषय पर विपक्ष में अपनी बात रखी जबकि विद्यालय के ही ग्यारहवीं कक्षा के यथार्थ पाण्डेय ने पक्ष में अपने विचार लोगों तक पहुँचाए। श्रेयांश दूबे को प्रथम रनर–अप जीतने पर प्रमाण पत्र और ट्राफी प्रदान की गई।

'राखी मेकिंग' प्रतियोगिता

20.7.2017 को दैनिक अखबार 'दैनिक जागरण' द्वारा विद्यालय में 'राखी मेकिंग' प्रतियोगिता आयोजित की गयी। बच्चों ने बहुत सुन्दर आकर्षक राखियाँ बनाई एवं उन राखियों को सीमा के सैनिकों के लिए भेजा गया।

20.7.2017 को इंडियन स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स के लिए कक्षा पाँच के देवेन को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। 23वें राज्यस्तरीय आई. एस.एम.ए. कराटे प्रतियोगिता 'कुमिते' के लिए उसे रजत पदक देकर एवं 'काता' जो 8 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए आयोजित की गई थी , उसमें काँस्य पदक देकर सम्मानित किया गया।

वाद–विवाद एवं आशुवार्ता प्रतियोगिता

21 एवं 22 जुलाई को वाद–विवाद प्रतियोगिता कक्षा नवीं से लेकर बारहवीं के मध्य थी। 'आर्टिकल 370 के अनुसार जम्मू–कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिये अथवा नहीं' विषय पर छात्रों ने पक्ष अथवा विपक्ष पर अपने विचार प्रस्तुत किए जिसमें अथर्ववेद के आदित्य रंजन और स्वाती को प्रथम, यजुर्वेद के अमीशा और श्रेयांस को द्वितीय, सामवेद के मेहुल कृष्णा और तनीशा विद्यार्थी को तृतीय, तथा ऋग्वेद के उज्ज्वल मोहता को चौथा स्थान मिला। जवाहर लाल नेहरू के व्याख्यान 'ट्रीस्ट विद डेस्टिनी' पर आधारित शब्द पांडित्य प्रतियोगिता हुई, जिसमें छठी से आठवीं के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें बच्चों के व्याख्यान बोलने का तरीका, हाव–भाव, प्रदर्शन आदि को ध्यान में रखकर प्रतियोगिता का निर्णय दिया गया जिसमें सामवेद हाउस की अनुष्का गोयल को प्रथम, यजुर्वेद के हर्षल को द्वितीय, अथर्ववेद की खुशी कुमारी चौहान को तृतीय, ऋग्वेद की अनुश्री खेतान को चतुर्थ पुरस्कार मिला। आशुवार्ता प्रतियोगिता में कक्षा छठी से आठवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने स्वतंत्रता सम्मान, प्रतिभा एवं बुद्धिमता विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। ऋग्वेद के अमोघ अग्रवाल को प्रथम, अथर्ववेद के प्रत्युष पोद्दार को द्वितीय, सामवेद के करण डलानिया तृतीय, और यजुर्वेद की नन्दिनी गुप्ता चौथे स्थान पर रहे।

विभिन्न इन्टर–हाउस प्रतियोगिताओं का आयोजन

'नृत्य और संगीत हमारी कल्पना को पंख देते हैं।' 04.8.2017 को गीत–संगीत पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएँ स्कूल के प्रेक्षागृह में आयोजित की गयीं। कक्षा छह से बारहवीं तक के छात्र–छात्राओं के मध्य सामूहिक नृत्य, एकल गायन और ताल–वाद्य प्रतियोगिता हुई।

एकल गायन में सीनियर वर्ग में भक्ति पर आधारित प्रतियोगिता में अथर्ववेद के स्नेहिल को प्रथम, ऋग्वेद के सूरजोदीप को द्वितीय यजुर्वेद के उत्कर्ष आनंद को तृतीय पुरस्कार मिला। चतुर्थ पुरस्कार यजुर्वेद के आदित्य आनंद ने प्राप्त किया। सामवेद के हर्षित कुमार को सांत्वना पुरस्कार मिला।

ताल–वाद्य प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में अथर्ववेद की प्रिशा, आदित्य कोमर और नितिन दूबे को प्रथम, सामवेद की दिव्या नाहटा और निशान्त पंकज ने द्वितीय पुरस्कार जीता। यजुर्वेद के शोवित अग्रवाल और आयुष्मान उपाध्याय ने तृतीय जबकि ऋग्वेद के अंशुमन शांडिल्य और अभिषेक को सांत्वना पुरस्कार मिला। सीनियर वर्ग में ऋग्वेद के उज्ज्वल मोहता को प्रथम, अथर्ववेद के शिवम् कुमार को द्वितीय, यजुर्वेद के मेहुल कृष्णा को तृतीय और सामवेद के प्रसिद्धम सिन्हा को सांत्वना पुरस्कार मिला।

प्रतियोगिताएँ

अंन्तर्दलीय एकल नृत्य प्रतियोगिता

दिनांक 11 अगस्त को अंन्तर्दलीय एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने 'कृष्ण जन्माष्टमी' पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने नृत्य के द्वारा श्रीकृष्ण की लीलाओं की सुन्दर प्रस्तुति की।

नृत्य प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार सामवेद के उत्सव गांगुली (8C) को मिला। द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार यजुर्वेद की ऋत्विका खेतान (7G) और अथर्ववेद की खुशी सिंह चौहान (7A) को मिला। के. आदित्य (8C) को सांत्वना पुरस्कार मिला।

सीनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार अथर्ववेद की सौम्या श्रेया (11B) को मिला। द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार सामवेद की आस्था सिंह (9A) और यजुर्वेद की प्रियंका वर्मा (12S) को मिला। ऋग्वेद की सृष्टि (9A) को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

अंतर्विद्यालयीय सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन

22.08.2017 को विभिन्न अंतर्विद्यालयीय प्रतियोगिताओं में स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सफायर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित अंतर्विद्यालयीय शतरंज और फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। गुरुनानक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित अंतर्विद्यालयीय सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, निबंध प्रतियोगिता में कक्षा नवीं की पलक नंदिनी को सांत्वना पुरस्कार और कक्षा बारहवीं के शिवानी सरदाना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चेस प्रतियोगिता

25.9.2017 को महाराजा अग्रसेन चेस प्रतियोगिता में कक्षा नवम् के कुणाल चौधरी एवं कक्षा चतुर्थ के दर्शित बागला ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

अंतर्विद्यालयीय कविता वाचन प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अंग्रेजी कविता वाचन प्रतियोगिता के ग्रुप बी में कक्षा तीन की सृष्टि कुमारी ने प्रथम पुरस्कार जीता जबकि कक्षा तीन की ही जाह्नवी सिंह ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। हिन्दी कविता वाचन के ग्रुप डी में कक्षा चतुर्थ की स्वाति पोद्दार को द्वितीय पुरस्कार और सोनाक्षी साव को तृतीय पुरस्कार मिला। गायन प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं के सुरजोदीप दास ने ग्रुप बी में प्रथम पुरस्कार जीता। ग्रुप ए में प्रिशा रॉय लाल एवं अंजना प्रकाश को सांत्वना पुरस्कार मिला।

संस्कृतिक गतिविधियाँ

पर्यावरण एवं इको सिस्टम का संरक्षण दिवस मनाया गया

06.07.2017 को पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण एवं पर्यावरण बचाओ के अंतर्गत वृक्षारोपण करके अलग–अलग वर्ग के बच्चों के बीच प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी सजगता पर्यावरण के प्रति दिखायी। बच्चे बड़े उत्साह के साथ वृक्ष लगाते दिखाई पड़े। कक्षा चतुर्थ एवं पंचम वर्ग के बच्चों के बीच इको सिस्टम से संरक्षण विषय पर लघु नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर हाउस के बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ दिखाया कि इको सिस्टम जो कि प्राकृतिक संसाधन होते हैं, से संरक्षण प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर यजुर्वेद हाउस, सामवेद द्वितीय, अथर्ववेद तृतीय एवं ऋग्वेद चतुर्थ स्थान पर रहे।

बाल गंगाधर तिलक जन्मोत्सव।

21.07.2017 को स्कूल में बाल गंगाधर तिलक का जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। बच्चों ने छोटे से नाटक के द्वारा बाल गंगाधर तिलक के जीवन पर प्रकाश डाला। बच्चों ने लाल, बाल एवं पाल के चरित्र को निभाते हुए उनके प्रसिद्ध नारे दिए।

उन्होंने तिलक की जीवनी भाषण के रूप में प्रस्तुत की। प्रार्थना सभा में सुविचार एवं तिलक जी से संबंधित नारे प्रस्तुत किए गए। यह विशेष प्रार्थना सभा देशभक्ति एवं जोश से परिपूर्ण थी।

गुरू पूर्णिमा महोत्सव

23 जुलाई को स्कूल में गुरू पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा संस्कृत श्लोक 'गुरूर्ब्रम्हा गुरूर्विष्णु गुरूर्देवो महेश्वरः' प्रस्तुत किया गया एवं गुरू पूर्णिमा के महत्व को बताया।

'कारगिल विजय दिवस'

29.07.2017 को स्कूल के बच्चों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को भगाकर भारतीय सैनिकों की विजय को विशेष प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किया। प्रार्थना सभा भारतीय वीर शहीदों एवं सैनिकों के जोश एवं उत्साह को दर्शा रही थी। इस अवसर पर एक बच्चे ने 'कारगिल विजय हमें कैसे प्राप्त हुई' विषय पर भाषण दिया। सैनिकों से संबंधित विचार प्रस्तुत किए गए एवं एक लधु नाटिका प्रस्तुत की गयी जिसमें बच्चों ने दिखाया कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिक किस प्रकार लड़ते हुए शहीद हो गए एवं अंत में हमारी जीत हुई।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

'वात्सल्यम् 2017'

दिनांक 05.08.2017 को ग्रैण्ड पैरेन्ट्स डे **'वात्सल्यम्-2017'** का आयोजन बड़े ही भव्य रुप से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न सिर्फ हमारे बड़े बुजुर्गों को स्नेह व सम्मान देना था अपितु उन्हें इस बात से अवगत कराना था कि वे आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्तम्भ स्वरुप हैं।

बच्चों ने स्वागत नृत्य में **'भरतनाट्यम'** प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि तथा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात् छात्र–छात्राओं ने अपने सुफियाने नृत्य से सबको शांति का संदेश दिया। राष्ट्रीय अखंडता पर आधारित संगीतमय नृत्य नाटिका ने विविधता में एकता प्रस्तुत कर हमें जागरुक होने का संदेश दिया। I C तथा I D के नन्हें मुन्हों ने नृत्य के ही माध्यम से वैश्विक सद्भाव का पाठ पढ़ाया ताकि इसके माध्यम से हममें बुजुर्गों के प्रति सम्मान एवं जिम्मेवारी का भाव प्रस्फुटित हो सके। इस अवसर पर ग्रैण्ड पैरेन्ट्स ने भी मंच पर बच्चों के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जीवन मूल्यों का संदेश

स्कूल में दिनांक 12 अगस्त को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 'वात्सल्यम् 2017' का भव्य तरीके से आयोजन हुआ। इसमें कक्षा 2 के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से अपने बड़े–बुजुर्गों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. अग्रवाल, प्रो चांसलर साई नाथ युनिवर्सिटी के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

अपनी संस्कृति के अनुसार बच्चों ने गणेश वन्दना के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया। बच्चों के एक समूह ने 'स्वच्छ भारत अभियान' पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर गाँधीजी के विचारों को साकार रूप प्रदान किया। वहीं दूसरे समूह ने 'वृक्ष लगाओ' जैसे पर्यावरण संबंधी विषयों पर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके साथ ही खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताते हुए छात्रों के समूह ने 'इग्नाइटिंग चैंपियंस नामक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। नृत्य के माध्यम से हमारे जीवन में अनुशासन, एक दूसरे को सहयोग की भावना, भावनात्मक मजबूती, मानसिक तथा शारीरिक विकास आदि का संदेश दिया। इस अवसर पर 'कृष्ण जन्माष्टमी' और स्वतंत्रता दिवस पर आधारित कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

ईश्वर का वरदान–'प्रकृति'

दादा–दादी और नाना–नानी हर घर की बुनियाद होते हैं और ईश्वर की कृपा के परिणाम स्वरूप हमें बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल में शनिवार 19.08.2017 को ग्रैण्ड–पैरेन्ट्स डे 'वात्सल्यम् 2017– ईश्वर का वरदान–'प्रकृति'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केजी 1 एवं 2 के बच्चों ने भाग लिया। समारोह में ग्रैण्ड–पैरेन्ट्स को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. लुइस मरांडी, मिनिस्टर ऑफ मायनरिटी वेलफेयर, सोशल वेलफेयर, ओमेन एंड चाईल्ड डेवलपमेंट एवं सम्मानीय अतिथि, महापौर, श्रीमती आशा लकड़ा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

सबसे पहले केजी 1 के बच्चों ने गणेश वंदना के द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। केजी 1 B एवं C के बच्चों ने 'फेस्टिवल ऑफ नेचर' के द्वारा प्रकृति से संबंधित त्योहारों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। मनुष्य जीवन के लिए प्रकृति का संरक्षण कितना महत्वपूर्ण है, इस भाव को छोटे–छोटे बच्चों ने नृत्य के द्वारा प्रस्तुत किया।

'द सेवेन सिस्टरर्सः पाराडाइज अनएक्सप्लोर्ड' के माध्यम से केजी 2 A एवं C के बच्चों ने उत्तर पूर्वी राज्यों की संस्कृति को झाँकियों के द्वारा प्रस्तुत किया। बच्चों के प्रॉप एवं आकर्षक पोशाकों ने जैसे हमें उन राज्यों की सैर ही करा दी। केजी 2 B एवं D के बच्चों ने गुरू रवीन्द्रनाथ रचित 'ऋतु रंग' पर अपनी प्रस्तुति के द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि दी।

केजी 2 E एवं F के बच्चों ने अपने नृत्य के द्वारा इस सुन्दर एवं अद्भुत संसार के रचयिता परम ब्रह्म को धन्यवाद दिया और प्रण किया कि हम इस धरती की सुन्दरता बनाए रखेंगे।

संस्कृत दिवस

08.08.2017 को संस्कृत जैसे आध्यात्मिक विषय की महत्ता को बच्चों तक पहुँचाने एवं संस्कृत का प्रचार प्रसार करने के उद्देश्य से स्कूल में संस्कृत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। संस्कृत मंत्रोच्चारण के साथ विशेष प्रार्थना सभा प्रारम्भ हुई। बच्चों ने सभा में संस्कृत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्कृत सभी भाषाओं से जुड़ी हुई है इसीलिए भाषा शिरोमणि कहलाती है। संस्कृत शिक्षक ने बच्चों को संस्कृत भाषा के महत्व के बारे में बताया।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

७१ वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

अनेकता में एकता ही हमारी शान है।
इसलिए हमारा भारत महान है.....।।

15.08.2017 को 71 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह व सम्मान के साथ मनाया गया। हमारे इस राष्ट्रीय स्मरणोत्सव के अवसर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा झंडा फहराया गया और राष्ट्रगान गाया गया। इसके उपरान्त छात्र–छात्राओं द्वारा रंगा–रंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई जिसके अंतर्गत देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य व गायन प्रस्तुत किया गया जिसने उपस्थित सभी लोगों में मातृभूमि के प्रति हमारे कर्त्तव्यों की एक बार फिर याद दिला दी।

शिक्षक दिवस का आयोजन

05.09.2017 को शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने अपने शिक्षकों को सम्मान देने हेतु अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए एवं शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। प्रधानाचार्या एवं शिक्षक–शिक्षिकाओं ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में नवरात्रि महोत्सव
छात्रों ने अच्छे कार्य के लिए ५ लाख से अधिक रूपए दिये

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।

29.09.2017 को माँ दुर्गा की आराधना के साथ ही शारदीय नवरात्रि महोत्सव मनाया गया। बच्चों ने इस दिन का आरंभ विशेष सभा से आरंभ किया। सीनियर और जूनियर वर्ग के छात्रों ने अलग–अलग कार्यक्रम में नृत्य तथा गीत द्वारा माँ दुर्गा की स्तुति की। उनके आशीर्वाद से सभी रोगमुक्त हों, इसी भावना के साथ शौर्य नामक एक (बालक) जो 'हंटर सिंड्रोम' नाम की बीमारी से ग्रस्त है, के इलाज के लिए स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा जमा की गई पाँच लाख की धनराशि उसके पिता को इस अवसर पर प्रदान की गई।

चेस कोचिंग कैंप

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज मास्टर श्री नीरज कुमार मिश्रा ने चेस के टिप्स दिए

आठ और नौ जुलाई को दो दिवसीय शतरंज कोचिंग कैम्प का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज मास्टर श्री नीरज कुमार मिश्रा के निर्देशन में छात्रों ने शतरंज के नये और अनोखे गुर सीखे। बच्चों नें दिशा–निर्देशन को अपने लिए लाभकारी और रूचिकर बताया। कैम्प के पूर्व छात्रों ने योगासन किया ताकि वे मानसिक रूप से स्वस्थ अनुभव करें और उनकी एकाग्रता में वृद्धि हो। उनकी काउन्सिलिंग भी कराई गई जिसमें मानसिक तनाव से लड़ने के लिए विद्यालय के 'हेल्थ एण्ड वेलबीईंग' शिक्षक मनीष कुमार द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

चेस टूर्नामेंट

स्कूल के बसंत प्रेक्षागृह में 26–27.8.2017 को अंतर्विद्यालयीय चेस चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। विद्यालय के कक्षा एक से बारहवीं तक के 250 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया जिसमें कुल छह राउण्ड हुए।

कक्षा छठीं के अंश कुमार को ओवर ऑल चैम्पियनशिप ट्राफी मिली जबकि दूसरा स्थान ऋतिक वर्मा को और तीसरा स्थान आर्यमन वर्मा को मिला। जूनियर ग्रुप में चैम्पियनशिप ट्राफी दर्शील बागला ने जीती। दूसरा स्थान मो. अम्मर अहमद और तीसरा स्थान कृष्णा तुलसी को मिला। टूर्नामेंट में अण्डर 19 तक कुल सात कैटेगरी में बालक–बालिकाओं के मध्य मैच हुआ।

'राष्ट्रीय खेल दिवस'

29.8.2017 को बच्चों में खेल के प्रति रूचि, खेल भावना एवं उनके व्यक्तित्व को निखारने के उद्देश्य से 'राष्ट्रीय खेल दिवस' मनाया गया। बच्चों एवं शिक्षकों के बीच सीनियर विंग के लिए फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। साथ ही ताइक्वान्डो के गुर भी सिखाए गए।

जुनियर विंग में कराटे अकेडमी के बच्चों ने बड़ा ही अच्छा प्रदर्शन किया। बच्चों ने वुशु एवं योगा के आसनों का प्रदर्शन किया।

विविधा

प्रदर्शनी का आयोजन।

22 जुलाई को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा तृतीय से पंचम के बच्चों की शानदार भागीदारी रही। तृतीय वर्ग के बच्चों ने हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय पर अपनी प्रदर्शनी लगाई। इसमें बच्चों ने हिन्दी एवं अंग्रेजी के व्याकरण एवं साहित्य के विभिन्न रूपों को अलग–अलग आकर्षक तरीकों से पेश किया। चतुर्थ वर्ग के बच्चों ने समाज शास्त्र के विभिन्न पहलुओं को अपनी प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत किया। पंचम वर्ग के छात्रों ने गणित और विज्ञान जैसे जटिल विषय को बड़े ही सरल तरीके से रोजमर्रा के जीवन के साथ जोड़कर बड़े ही सुन्दर स्वचालित मॉडल की प्रदर्शनी लगायी। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए कक्षा तृतीय 'ई', कक्षा चतुर्थ 'सी' एवं पंचम 'सी' को चुना गया।

ओजस–२०१७

552 छात्रों को शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार

06.08.2017 को कार्यक्रम ओजस– 2017 में पिछले वर्ष के 552 प्रतिभाशाली छात्रों को प्रमाणपत्र और बैज देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती तदाशा मिश्रा, इन्सपेक्टर जनरल ऑफ पुलिस कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख श्री प्रदीप वर्मा एवं प्रधानाचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। उसके बाद विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'सहस्त्रांशु फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' का विमोचन किया गया। उसके बाद सभी कक्षाओं के स्कॉलर्स तथा अचीवर्स को प्रमाणपत्र बाँटे गये।

मुख्य अतिथि ने सभी स्कॉलर्स तथा अचीवर्स को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ न केवल शैक्षिक वातावरण है अपितु प्रत्येक छात्र का व्यक्तिगत और नैतिक विकास होता है। उसे सभ्यता और संस्कृति की शिक्षा भी दी जाती है। यह एक बेहतर प्रयास है।

सकारात्मक बदलाव से स्वास्थ्य पर जी. एस. पी.

10.8.2017 को स्कूल में कक्षा नवीं से बारहवीं तक के छात्रों और शिक्षकों को आरोग्य भारती के नेशनल आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. अशोक वार्ष्णेय ने संबोधित किया। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे भवन्तु निरामया' पर आधारित अपने संभाषण में बताया कि हम उत्तम जीवन शैली, सामान्य छोटे–छोटे नियमों में बदलाव एवं सकारात्मक सोच द्वारा पा सकते हैं। हमारे सोचने और बोलने का तरीका नकारात्मक नहीं होना चाहिए। प्रकृति ने ऋतु की आवश्यकता के अनुसार हमें वस्तुएँ उपलब्ध कराईं हैं, अतः हमें वही व्यवहार में लाना चाहिए। मनुष्य का स्वास्थ्य जलवायु, प्रकृति और आयु के अनुसार निर्धारित होता है। प्रकृति के निकट हम जितना रहेंगे उतना स्वस्थ रहेंगें।

छात्र संसद का गठन

23 अगस्त को शैक्षणिक सत्र 2017–18 के लिए छात्र संसद का गठन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या परमजीत कौर और गृह प्रबंधक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। स्कूल बैड के संगीतमय वातावरण में चुने गए हेड गर्ल, हेड बॉय, वाइस हेड गर्ल, वाइस हेड बॉय, खेल, सांस्कृतिक और साहित्यिक सचिवों को बैजेज प्रदान किए गए। अथर्ववेद, ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद इन चारों हाउस ने अपने हाउस कैप्टन, हाउस वाइस कैप्टन, हाउस प्रिफेक्ट और हाउस वाइस प्रिफेक्ट को उनकी जिम्मेवारियाँ बताईं। हेड ब्याय ने सभी चयनित सदस्यों को उनकी जिम्मेवारियों के लिए शपथ दिलाई। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

रुपेश राज एन.टी.एस.ई. २०१७ में सफल

26.8.2017 को नेशनल काउन्सिल एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा आयोजित एन.टी.एस.ई. 2017 के फाइनल राउन्ड में विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं के रुपेश राज ने सफलता प्राप्त की है।

स्कूल में 'फिलाटेली' प्रदर्शनी

रविवार 27.08.2017 को स्कूल में 'फिलाटेली' अर्थात डाक टिकट के वैज्ञानिक संग्रहण तथा संकलन की प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों को देश–विदेश के सिक्कों तथा डाक टिकटों के संग्रह के बारे में बताया गया तथा उन्हें जानकारी दी गई कि ऐसे कई संगठन हैं जो राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन टिकटों तथा सिक्कों के संग्रह का कार्य करने में सक्रिय हैं। बच्चों को बताया गया कि एशिया में डाक टिकट प्रचलन का श्रेय भारत को जाता है।

स्कूल में ली गई स्वच्छता शपथ

01.9.2017 को स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रार्थना सभा में विद्यालय के सभी बच्चों एवं शिक्षकों ने स्वच्छता की शपथ ली। शपथ में घर, आस–पड़ोस, कार्यक्षेत्र सभी जगहों की साफ–सफाई पर ध्यान देने के साथ–साथ दूसरों को भी सफाई के लिए प्रेरित करने की शपथ ली गई।

प्रधान मंत्री के भाषण का सीधा प्रसारण देखा

दिनांक 11 सितंबर, 2017 को प्रधान मंत्री जी के सीधे संबोधन को देखा। जिसमें श्री नरेंद्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो मे दिए गए आध्यात्मिक भाषण के 125 वीं वर्षगाँठ पर स्वामी विवेकानंद के विभिन्न शिक्षाओं और संदेशों का जिक्र किया। युवाओं के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उन्होंने छात्रों, नौकरी चाहने वालों और नौकरी रचनाकारों के बीच नवीनीकरण के बारे में बात की। उन्होंने **''स्वच्छता अभियान''** के बारे में भी बात की।

सम्मान

एक्सप्रेस इण्डिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रधानाचार्या सम्मानित

21.08.2017 को प्रधानाचार्या श्रीमती परमजीत कौर को राष्ट्रीय जीवन कौशल शैक्षणिक संस्थान, नई दिल्ली ने 'उत्कृष्ट प्रयास' के लिए सम्मानित किया। यह पुरस्कार लोक सभा सदस्य श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने प्रदान किया। इस अवसर पर पद्मश्री शोवना नारायण, श्री रजत शर्मा, अध्यक्ष और एडिटर–इन चीफ, इंडिया टीवी, एन.सी.ई.आर.टी. की डीन प्रोफेसर सरोज यादव, लेफ्टिनेंट जनरल अरुण कुमार साहनी, और आई.एफ.सी.आई. लिमिटेड के पूर्व सी.ई.ओ. और प्रबंध निदेशक श्री मलय मुखर्जी उपस्थित थे।

देश के प्रतिष्ठित विद्यालयों में से सरला बिरला को भी एक्सप्रेशन इण्डिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम लाइफ इम्पावरमेंट अवार्ड फॉर स्कूल में कोमेमोरेटिव साइटेशन ऑफ ऑनर दिया गया। इण्डिया टी. वी. के एडिटर इन चीफ और चेयरमैन श्री रजत शर्मा की उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत होने के कारण उसकी सराहना की गई।

अंतर्विद्यालयीय सामूहिक गीत प्रतियोगिता में विद्यालय प्रथम पुरस्कार से सम्मानित

23.8.2017 को इन्टरनेशनल लाइब्रेरी एण्ड कल्चरल सेन्टर द्वारा आयोजित 'सावन–गीत' पर आधारित अंतर्विद्यालयीय सामूहिक गीत प्रतियोगिता में स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। प्रिशा रॉय, अन्जना प्रकाश, खुशी प्रिया, अदिति, आदित्य रंजन, सूर्जोदीप दास, आयुष आर्यन और स्नेहिल इन आठ छात्र–छात्राओं ने अपने मधुर स्वर से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पाँच विद्यालयों की प्रतियोगिता–प्रस्तुति में विद्यालय के छात्र– छात्राएँ प्रथम पुरस्कार जीतने में सफल हुए।

'बेस्ट डिस्ट्रिक्ट प्रिंसिपल' एवं 'बेस्ट जोनल टीचर' अवार्ड

स्कूल के छात्रों ने SOF-2017 के सेकेन्ड लेवल ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सीनियर विंग के चार बच्चों एवं जूनियर विंग के उन्नीस बच्चों को प्रमाण पत्र और एकेडमिक किट के साथ गिफ्ट चेक भी दिया गया। श्रीमती निधि वर्मा पारीक को 'बेस्ट जोनल टीचर' का अवार्ड दिया गया जबकि प्रधानाचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने 'बेस्ट डिस्ट्रिक्ट प्रिंसिपल' का अवार्ड प्राप्त किया।

पिस्टल शूटिंग चैम्पियनशिप में उज्ज्वल मोहता को दो स्वर्ण पदक

दसवीं कक्षा के उज्ज्वल मोहता ने विद्यालय को गौरवान्वित करते हुए राँची राइफल द्वारा आयोजित पिस्टल शूटिंग चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते।

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
Heartiest Felicitations
THANK YOU!

चित्रपट

SARALA BIRLA
PUBLIC SCHOOL
(SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS)

चित्रपट

चित्रपट

मीडिया

सरला-बिरला स्कूल के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन
सरला बिरला स्कूल में ओजस-2017, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 552 छात्र किए गए पुरस्कृत
सरला बिरला पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा महोत्सव
सरला बिरला में मनाया गया संस्कृत
सरला बिरला स्कूल में मना जन्मोत्सव
सरला बिरला स्कूल में प्रतियोगिता
कंपीटिशन में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के स्टूडेंट का बेहतरीन प्रदर्शन
सरला बिरला स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम
सरला बिरला पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने लगायी प्रदर्शनी
सकारात्मक सोच से उत्तम जीवन शैली मिलेगी : डॉ अशोक वार्ष्णेय
सरला बिरला में कारगिल विजय दिवस
सरला बिरला स्कूल: जटिल विषय को चुटकी में किया हल
the pioneer
RANCHI | WEDNESDAY | AUGUST 9, 2017
SANSKRIT DAY CELEBRATED AT SBPS
सरला बिरला में वाद-विवाद एवं आशुवार्ता प्रतियोगिता
एकल नृत्य प्रतियोगिता में दिखायी
प्रतियोगिता में सरला बिरला के विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार
नृत्य से दिया स्वच्छ भारत अभियान का संदेश
वात्सल्यम